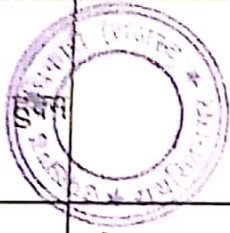




2018

बनाने वाले हैं। आपसे दोस्ताने बात। वही
 आपकी अदालत में विवेक तौर पर
 कि इसी प्रकार के लोगों में दर्ज अन्य को
 इंतजार कर 2014 व 2015 में सुप्रीम
 कोर्ट में आपकी अपील के लोअर है तथा
 उन्हें एक साथ निर्दिष्ट की जाने की प्रार्थना
 की। इस इम प्रारम्भ की है इतना
 प्रमाण जो 03/18 सुप्रीम कोर्ट के दस्तावेज
 11/18, समुदाय बनाम स्टेट को बनाकर
 बिना जता है। तीनो पक्षों को उल्लेख कर
 तीनो पक्षों में प्रस्तुत प्रार्थना पर
 सुप्रीम कोर्ट के रूप में प्रस्तुत दस्तावेज
 ईशनामा - इनपुट, इंतजार व अपावेरी
 तथा अंतर स्टेट का गठन सबकोड
 व अप्पन करने पर तथा बहल पर
 मनन करने पर अपावेरी व निर्णय है
 कि एक साथ इंतजार दर्ज होने के कारण
 निर्दिष्ट सुप्रीम कोर्ट प्रमाण दोहराने के कारण इंतजार
 दर्ज करने में सुप्रीम कोर्ट है। इसी कारण
 व इनपुट के द्वारा इतना ही सुप्रीम

(सुप्रीम कोर्ट)
 उपाध्यक्ष अधिकारी (सहायक)
 सचिव/सहायक



के लखतदारों के नाम निम्नानुसार
जमान्दी से दाने व प्राविशगत
पदम कुमार, भूपराम व रामकुमार को
चक 4 MSD के खाल सं. 21 प.नं. 152
342
मु.नं. 32 के खिलाफ 11 सी 0.253 ई.
कमान्ड ग्राम का 1/3 - 1/3 बटिव दर्ज
करने के आदेश तहसीलदार, रायसिंहनगर
को दिए जाते हैं। इस प्रकरण में दिए
गये श्रुति आदेश की प्रति इसी ग्राम
के संबंधित दोनों मन्प पत्रावलिफो
संख्या सं. 9/18 भूपराम बनाम स्टेट
व 11/18, रामकुमार बनाम स्टेट में
प्रति खर्चों न वी जावे। पालना हेतु तहसीलदार
रायसिंहनगर को लिखा जावे। तीनों पत्रावलिफो
फैजल शुभाट डी.कट दाखिले दफतर दो

2
1

(सिन्दीप कुमार)
उप खण्ड अधिकारी (राजस्व)
रायसिंहनगर